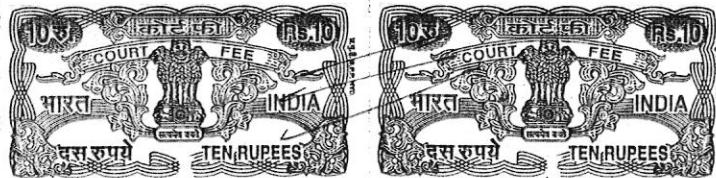


न्यायालय मे श्रीमान राजस्व मंडल गवालियर म०प्र०

रा०प्र०क्र०/...../निगरानी/2013-2014

223



C.F.  
पा 20/—

R - 1924-15/14

दीपक पिता रवेंद्र भोला तोली उम्र लगभग १५ वर्ष नाबालिंग ज़िल्हे  
बाली रारपरक्त माता नानाई धर्मपत्नी रव भोला तोली उम्र ५० वर्ष  
निवासी ग्राम पी० कुबरा थाना व तहसील जर्यारिंहनगर  
जिल्हा-शहडोल म०प्र० .....निगरानीकर्ता/अधिकारी

सिर्फ राजस्व  
प्राप्ति कोई नहीं  
रोटर 11.4.14

बोगम

- १-रामरती माता चिह्नित पिता मध्य तोली निं० ग्राम कबूली पी०  
गोहपारा थाना व तहसील गोहपारा जिल्हा-शहडोल म०प्र०
- २-फुलनीबाई माँ रनिया पिता कमोदा पत्नी चेतन तोली निं० ग्राम  
निवाटोला पी० चुहिरी थाना व तहसील गोहपारा जिल्हा-शहडोल  
म०प्र०
- ३-बुद्धिया माँ रनिया पिता कमोदा पति मोहन तोली निं० ग्राम पी०  
कुबरा थाना व तहसील जर्यारिंहनगर जिल्हा-शहडोल म०प्र०
- ४-राममिलन माता रनिया पिता मोहन तोली निवासी ग्राम लोडी  
पी०कान्नौरी थाना व तहसील गोहपारा जिल्हा-शहडोल म०प्र०
- ५-पूर्ण दाढ़ी रनिया पिता कमोदा तोली निं० ग्राम लोडी  
पी०कान्नौरी थाना व तहसील गोहपारा जिल्हा-शहडोल म०प्र०
- ६-बबूआ पिता छण्डाली तोली निं० ग्राम कुबरा
- ७-अरिंठलोश पिता बबूआ तोली निं० ग्राम कुबरा
- ८-कमला पत्नी महेन्द्र शुक्ला निं० कुबरा  
क्र०-६,७,८ तीनो का पी० कुबरा थाना व तहसील जर्यारिंहनगर  
जिल्हा-शहडोल म०प्र० .....मैरनिगराकारगण/कैरपाठगण

प्रार्थना पर्याय अन्तर्भृत धारा ५०

म०प्र०भ०-राजस्व राहिता १९५९

निगरानी निर्धारित विकल्प अधी०

न्यायालय/कमिशनर महोदय शहडोल

समीन-शहडोल म०प्र० टैक्स

रा०प्र०प्र०/४५९/अप्र०/३००८-३००

५ निर्धारित दिनांक २०.०३.२०१४

पी-१६ को व्यथित होकर

कार्य: //2// .....

05/04/2014  
कार्यालय  
राजस्व  
निगरानी (प्र.)  
कार्यालय (प्र.)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्रो—R.1924-II/14

जिला—शहडोल

दीपक तेली / रामरती तेली वगैरः

(1)	(2)	(3)
22.08.17	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत।</p> <p>2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत लगाता उपस्थित नहीं है।</p> <p>3. अनावेदक क्रमांक 1,3से8 की ओर से उनके अभिभाषक श्री महेन्द्र कुमार शुक्ला एड0 उपस्थित।</p> <p>4. चूंकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा—35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।</p> <p>5. आदेश की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय का रिकार्ड वापस किया जाये, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो।</p>	 <p>सदस्य</p>